Page No.:
Date:
YOUVA

UG study material for Students of History

Subject : History

Class : UG Semester IV
Paper : MJC - VI

Topic : Reforms of Napoleon as first Councillor (प्रथम कौंसलर के रूप में नेपोलियन के सुधार) : III

By : Dr. Rajiv Nayan
Associate Professor,
Dept. of History,
Jagjivan College, Ara,

Scanned by CamScanner

Page No
Date

प्रथम कॉन्सल के रूप में नेपोलियन के सुधार : III
(Reforms of Napoleon as first Councillor) : III

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार

नेपोलियन ने शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधार किये। उसने शिक्षा में सुधार हेतु एक राष्ट्रीय योजना लागू की। क्रांतिकारियों द्वारा कई वर्ष पहले डाली गयी नींव पर विभिन्न स्तर वाले विद्यालयों तथा स्वतंत्र छात्रवृत्ति के साथ जन-शिक्षा की एक भव्य राजकीय पद्धति कायम की गयी। हर कम्यून द्वारा प्राथमिक एलिमेंटरी स्कूलों को प्रिफेक्ट या सब-प्रिफेक्ट की आम देख-रेख में संचालित किया जाना जरूरी था। दूसरे फ्रांसीसी, लैटिन भाषाओं तथा प्रारंभिक विज्ञान के विशेष प्रशिक्षण हेतु ग्रामर स्कूलों का प्रावधान किया गया। चाहे सरकार द्वारा सहायता प्राप्त हों, या निजी संस्थानों द्वारा चलाये गये हों, उन्हें केन्द्रीय सरकार के मातहत लाया गया। सभी महत्वपूर्ण कस्बों में हाई स्कूल या 'लीसीज' शुरू किये गये। इनमें राज्य द्वारा नियुक्त अध्यापकों द्वारा उच्च विद्या शाखाओं की शिक्षा दी जाती थी। तकनीकी स्कूलों, सिविल सेवा स्कूलों तथा सैनिक स्कूलों जैसे विशिष्ट विद्यालय, राज्य विनियमों के अधीन लाये गये। फ्रांस विश्वविद्यालय

Scanned by CamScanner

को पूरी शिक्षा-प्रणाली में एकरूपता लाने के लिए स्थापित किया गया। उसके मुख्य अधिकारी 'फर्स्ट कौंसल' द्वारा नियुक्त होते थे। जब तक विश्वविद्यालय से अनुमति पत्र न मिलता, कोई नया विद्यालय शुरू नहीं किया जा सकता था, न सार्वजनिक संस्था में कोई पढ़ा सकता था। पेरिस में एक नॉर्मल स्कूल स्थापित हुआ जो अध्यापकों को प्रशिक्षण देता था। सभी स्कूलों को अपने अध्यापन का आधार ईसाइयत, राज्य प्रमुख के प्रति निष्ठा तथा विश्वविद्यालय के नियमों के अनुशासन हेतु बनाना पड़ता था।

इस तरह नेपोलियन ने शिक्षा की राष्ट्रीय प्रणाली श्रेणीयुक्त (ग्रेडेड) विद्यालयों द्वारा स्थापित की। नेपोलियन इन विद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में पर्याप्त रूप से निरंकुश रखने का हामी था। उसे सैनिकों, प्रशासकों, न्यायाधीशों तथा तकनीकी विशेषज्ञों की, अपनी नीतियाँ क्रियान्वित करने के लिए जरूरत थी। जैसा कि जे. एम. थॉमसन ने लिखा है, "वह शिक्षा के लिए शिक्षा का हिमायती नहीं था, वह राज्य की सेवा के लिए शिक्षा में विश्वास रखता था।" शिक्षा को वह पर्याप्त रूप से सेनाभिमुख तथा धर्मपरक रखना चाहता था ताकि सत्ताधीशों के प्रति आज्ञाकारिता एवं आदर उत्पन्न हो तथा अठारहवीं सदी की पारम्परिक सभ्यता को क्रांति

Scanned by CamScanner

की नयी आधुनिक उदारवादी कल्पनाओं पर हावी होने के लिए बल प्राप्त हो।

कन्या विद्यालयों के बारे में नेपोलियन के अपने विचार थे। युवतियों की शिक्षा के लिए धर्म एक सार्वजनिक संस्था है।" उसने लिखा है," उन्हें विश्वास करना सिखाया जाये, तर्क करना नहीं।" उन्हें विनम्र और आज्ञाकारी पत्नियाँ बनाना अनुशासन का लक्ष्य होना चाहिए। उन्हें सिर्फ पठन, लेखन, गणित, प्रारंभिक इतिहास तथा भूगोल सिखाया जाना चाहिए। इनका ज्यादा समय सिलाई, रसोई तथा सेवा-सुश्रूषा सीखने में लगाना चाहिए, ताकि वे वैवाहिक जीवन के लिए तैयार हो सकें।

उद्योग, वाणिज्य तथा लोक-निर्माण कार्यों में प्रगति

इस कालखण्ड में फ्रांस की भौतिक समृद्धि में प्रगति हुई। उद्योग फले-फूले तथा ब्रिटेन के अनुकरण से यंत्रों का प्रयोग शुरू हुआ, हालाँकि पहले वह बड़ी मात्रा में नहीं था। खेती के तरीकों में भी सुधार हुआ।

नेपोलियन ने लोक-निर्माण कार्यों का एक विशाल सिलसिला शुरू किया। नहरें, पुल और सड़कें उसकी वाणिज्य नीति के लिए जरूरी थीं, देश में इनसे संचार की सुधरी हुई प्रणाली

Scanned by CamScanner

उपलब्ध हुई। इस कालावधि में बने भव्य राजमार्ग देश के लिए स्थायी उपलब्धि सिद्ध हुए। 1811 ई० में नेपोलियन निर्मित सैनिक महामार्गों की लंबाई 220 तक पहुँच गयी थी। इनमें से तीन पेरिस से निकलकर राष्ट्रीय सीमाओं तक पहुँचते थे। दो अल्पाइन-पारगामी सड़कों द्वारा पेरिस को तूरीन, मिलान, रोम तथा नेपल्स से जोड़ दिया गया। महत्वपूर्ण बन्दरगाहों को विस्तृत किया गया तथा वाणिज्यिक एवं नौसैनिक उद्देश्यों से उनकी किलेबन्दी की गयी।

Scanned by CamScanner